आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे राजीव गांधी

-प्रदीप डहेरिया

युगों-युगों में ऐसी कोई शख्सियत पैदा होती है, जिनके विचारों से देश और दुनिया पर गहरा प्रभाव पड़ता है, और क्रांतिकारी बदलाव हो जाते हैं, ऐसे ही युग पुरूष थे देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी।

श्री राजीव गांधी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र, भारत के एकमात्र ऐसे युवा प्रधानमंत्री थे, जिनकी उदार सोच, स्वप्नदर्शी व्यापक दृष्टि ने भारतवर्ष को एक नयी उर्जा और एक नयी शक्ति दी। ''देश को विश्व के अन्य उन्नत राष्ट्रों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देने वाले सबसे कम उम्र के वे ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 21वीं सदी का स्वप्न देते हुए भारत को वैज्ञानिक दिशी दी।''

आधुनिक भारत के शिल्पकार, कम्प्यूटर क्रांति के जनक, इक्कीसवीं सदी के स्वप्नदृष्टा और ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री राजीव गांधी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर उन्हें शत-शत नमन।

श्री राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को बंबई में हुआ था, उनका राजनीति में कैरियर बनाना कोई लक्ष्य नहीं था। इनके पास दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र या इतिहास से संबंधित पुस्तकें न होकर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की कई पुस्तकें हुआ करती थीं। संगीत में आपकी बहुत रूचि थी, आपको पश्चिमी और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था, साथ ही फोटोग्राफी एवं रेडियो सुनने का भी शौक था। हवाई जहाज उड़ाना उनका सबसे बड़ा जुनून एवं पेशा था। वे घरेलू राष्ट्रीय जहाज कंपनी इंडियन एयरलाइंस के पायलट थे।

श्री राजीव गांधी अस्सी के दशक में चालीस साल की उम्र में विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री बने, वे अपने समय में दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री थे। हालांकि वे उस दुखद, कष्टकर एवं विषम परिस्थिति में देश के प्रधानमंत्री बने, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री एवं उनकी मां श्रीमती इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 को निर्मम हत्या कर दी गई थी। अपनी माँ की जघन्य हत्या के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष एवं देश के प्रधानमंत्री बने। देश आक्रोश और सदमे में था। ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में आपने संतुलन, मर्यादा, संयम एवं धैर्य रखकर देश में शांति और सद्भाव का वातावरण बनाया। देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखकर राष्ट्रीय जिम्मेदारी का अच्छे से निर्वहन किया। 1984 में आपने देश में आम चुनाव कराए। इस चुनाव में आपको अपार जनसमर्थन मिला। 404 सीटों पर कांग्रेस को जीत हासिल हुई। जबरदस्त जनसमर्थन के साथ आप प्रधानमंत्री बने। राजीव गांधी एक सशक्त और कुशल राजनेता ही नहीं थे, अपितु स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री थे। समय से पूर्व भारत को 21वीं सदी में जे जाने वाले इस प्रधानमंत्री ने भविष्य के भारत का जो सपना देखा था, उसमें संपूर्ण भारत में ज्ञान, संचार, सूचना, तकनीकी सेवाओं के साथ मुख्यतः उसे कम्प्यूटर से जोड़ना था। उनकी इस नवीन कार्यशैली और

सृजनात्मकता का ही परिणाम है कि आज संपूर्ण देश कोने-कोने में कम्प्यूटर से जुड़ गया है। आज देश के लगभग हर घर में कम्प्यूटर का उपयोग राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

श्री राजीव गांधी उदारवादी दृष्टिकोण वाले, सरल स्वाभाव के, गंभीर एवं धैर्यवान व्यक्ति थे, साथ ही वे सहनशील युवा के प्रतिबिम्ब भी माने जाते थे, उनका व्यक्तित्व सज्जनता, मित्रता और प्रगतिशीलता का प्रतीक माना जाता है। वे साहस, ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा की मिसाल माने जाते हैं। उन्होंने ही सबसे पहले देश के प्रशासन तंत्र में इस सच का खुलासा किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ''हम विकास के लिए जो एक रूपया भेजते हैं, लेकिन पहुंचता 15 पैसे ही है।'' इसी खामी को दूर करने के लिए उन्होंने वैज्ञानिक, तकनीकी संचार क्रांति का सपना संजोया था। पंचायती राज व्यवस्था को लागू किया था।

स्वर्गीय राजीव गांधी भारत के ऐसे युवा राजनेता थे, जिन्होंने आधुनिक भारत और ग्रामीण भारत की खाई को पाटने का काम किया। श्री राजीव गांधी ने भारत को एक नई ऊर्जा और शक्ति प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। आपने देश को वैज्ञानिक दिशा देने का कार्य किया। देश को कम्प्यूटर से परिचित कराया, एक ओर उन्होंने कम्प्यूटर क्रांति की शुरूआत करके 21वीं सदी के एक सक्षम भारत बनाने की नींव रखी वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भारत को सशक्त अधिकार सम्पन्न बनाया।

आपने भारत की मजबूती के लिए पंचायती राज को ताकतवर बनाया। 73वें संविधान संशोधन के जरिए आपने पहली बार गॉव के लोगों को प्रजातंत्र के अधिकारों और कर्त्तव्यों का अहसास करवाया। राजीव गांधी जी भारत के लिए एक नवीन अनुभव की छवि रखते थे। आपने युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किये जो भारत के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है। 62 वें संविधान संशोधन के द्वारा मताधिकार की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करके आपने युवाओं को लोकतंत्र में भागीदार बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

आपने हमेशा ही साहसिक कदम उठाए, ज्वलंत समस्याओं के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाया। श्री राजीव गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सेक्टर्स को खोलने, पंचायती राज, भारत में आई.टी. क्रांति की नींव रखने, देश में संचार क्रांति, कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रांति, मताधिकार की उम्र 21 से घटाकर 18 साल करने का कार्य किया जिसके लिए इतिहास उन्हें हमेशा याद करेगा। आपके ही प्रयासों से ईवीएम मशीन से मतदान करने की शुरूआत हुई। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्वशासन में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का ऐतिहासिक कार्य भी आपने ही किया।

स्वर्गीय राजीव गांधी सर्वधर्म समभाव के पक्षधर थे उनका कहना था कि ''भारतवासी होने के मायने, हमारी पाँच हजार साल की सभ्यता को आत्मसात करना है। इस सभ्यता में विभिन्न तरह के धर्म एवं भाषाएं हैं। यही हमारी शक्ति है, जब हम सर्वधर्म समभाव के रास्ते पर चलते हैं। भारत के लिए यह एक ही रास्ता है।

इसके साथ ही इस विश्वविद्यालय में विभिन्न दायित्वों में कार्यरत लोगों के लिए भी राजीव गांधी जी ने सबसे महत्वपूर्ण कार्य किया है वो है: माखनलाल चतुर्वेदी-''एक भारतीय आत्मा'' के नाम से एक पत्रकारिता विश्वविद्यालय खोलने का कार्य। ये विश्वविद्यालय श्री राजीव गांधी जी की दूरदर्शिता का ही

परिणाम है। श्री राजीव गांधी ने खंडवा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय खोले जाने के घोषणा की थी, जिसके फलस्वरूप ये विश्वविद्यालय आज अपनी स्थापना की 30वीं वर्षगांठ की ओर अग्रसर है। 1990 में स्थापना के बाद से इस विश्वविद्यालय से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थियों की संख्या लाखों में है। हजारों कम्प्यूटर और मीडिया के विद्यार्थी दुनिया भर में फैले हुए है और बड़े-बड़े पदों को सुशोभित कर रहे है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एवं कार्यरत सभी विद्यार्थियों, षिक्षकों अधिकारियों और कर्मचारियों को आदरणीय स्वर्गीय राजीव गांधी के प्रति सदैव ही सच्चे मन से कृतज्ञ एवं नतमस्तक रहना चाहिए।

श्री राजीव गांधी ने अपनी विदेश नीति के तहत कई देशों की यात्राएं कीं। भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक संबंध बढ़ाए। श्री गांधी ने श्रीलंका की समस्या के निदान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इससे नाराज होकर 21 मई 1991 को लिट्टे ने एक चुनावी सभा के दौरान राजीव गांधी की हत्या करवा दी। वे देश के लिए शहीद हो गए।

स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के विचार हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

आज हमें ऐसे राजनीतिज्ञ की कमी महसूस हो रही है उनकी शहादत से हमने एक ऐसा राजनीतिज्ञ खो दिया जो राजनीति में युवा सोच के साथ रचनात्मक राजनीति का पक्षधर था। जो 21वीं सदी में मजबूत भारत का सपना देख रहा था।

(प्रस्तुति(मनुज फीचर सर्विस :

नोट: मनुज फीचर में छपे लेखों के विचार लेखक के अपने हैं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। मनुज फीचर सर्विस का उल्लेख अवश्य करें।